अंक – 49 22.08.2025 शुक्रवार

कैमूर चेतना सत्र

बिहार शिक्षा परियोजना कैमूर द्वारा सभी विद्यालयों के लिए प्रकाशित

22 अगस्त 2025 शुक्रवार

कैमूर अंक- 49

- संपादकीय
- हमारे प्रेरणा स्रोत
- प्रार्थना
- बिहार राज्य गीत
- संविधान की प्रस्तावना
- राष्ट्रगान
- आज का सुविचार
- रोचक तथ्य
- दिवस विशेष
- सामान्य ज्ञान
- शब्द ज्ञान
- तर्क ज्ञान
- कंप्यूटर ज्ञान
- प्रेरक प्रसंग
- बूझो तो जाने
- विभागीय सूचना

AUGUST 2025

S	M	T	W	T	F	S
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30
31						

संपादकीय

कैमूर चेतना - सत्र

शुभकामना संदेश

कार्यालय
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
(स्थापना, एस.एस.ए.,माध्यमिक शिक्षा)
कैमूर (भभुआ)

"कैमूर चेतना सत्र" पत्रिका, शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक संसाधन के रूप में प्रस्तुत की गई है। यह पहल न केवल कैमूर जिले की शिक्षण परंपरा में नवाचार का संचार करती है, बल्कि ज्ञान, सृजनशीलता और सहभागिता की एक नई दिशा भी प्रदान करती है।

शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए यह आवश्यक है कि शिक्षकों को ऐसे संसाधन उपलब्ध कराए जाएँ जो उन्हें सशक्त बनाएं, अद्यतन रखें और शिक्षण को विद्यार्थियों के लिए आनंददायक बनाएं।

"कैमूर चेतना सत्र" इसी सोच का सशक्त प्रतिबिंब है। इस रचनात्मक सामग्री के निर्माण में कैमूर चेतना – सत्र निर्माण कोषांग के सदस्यों की सहभागिता अत्यंत सराहनीय है। इनका यह समर्पण निश्चित ही जिले के अन्य शिक्षकों को भी प्रेरणा देगा।

मैं इस पत्रिका की संकल्पना एवं निर्माण से जुड़ी संपूर्ण टीम को इस प्रयास के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

"कैमूर चेतना सत्र" भविष्य में भी शिक्षक व विद्यार्थियों — दोनों के लिए नवाचार और प्रगति का माध्यम बना रहे, यही शुभकामना है।

श्री विकास कुमार डीएन
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी , कैमूर
(एस.एस.ए , स्थापना , माध्यमिक शिक्षा)

परिकल्पना सहयोग :
चेतना - सत्र संसाधन निर्माण कोषांग
प्रकाशक :
बिहार शिक्षा परियोजना एवं शिक्षा विभाग , कैमूर

चेतना - सत्र संसाधन सामग्री निर्माण कोषांग

सदस्य सह संपादकीय समूह

शिव कुमार गुप्ता
राजकीयकृत मध्य विद्यालय नीमी, भभुआ कैमूर

सुमित कुमार
प्राथमिक विद्यालय डारीडीह, भभुआ, कैमूर

राजेश कुमार सिंह
महाबल भृगुनाथ +2 उच्च विद्यालय कोरिगावा बहेरा , कैमूर

सभी विद्यालयों के शिक्षक 'कैमूर चेतना – सत्र' के ग्रुप में जुड़ना सुनिश्चित करें ताकि चेतना सत्र की प्रति सभी को आसानी से प्राप्त हो

कार्यालय, बिहार शिक्षा परियोजना
शिक्षा भवन , भागीरथी मुक्तावकाश मंच , भभुआ (कैमूर)
पिनकोड – 821101

ईमेल –
chetnakaimur@gmail.com

हमारे प्रेरणा स्त्रोत

दादाभाई नौरोजी

भारतीय राष्ट्रवादी और स्वतंत्रता सेनानी

जन्म : 04 सितम्बर 1825, बम्बई
निधन : 30 जून 1917, बम्बई

दादाभाई नौरोजी, जिनका जन्म 4 सितम्बर 1825 को हुआ था, ब्रिटिश औपनिवेशिक काल के दौरान एक प्रमुख पारसी बुद्धिजीवी, शिक्षक, कपास व्यापारी और प्रारंभिक भारतीय राजनीतिक और सामाजिक नेता थे। उन्हें "भारत के ग्रैंड ओल्ड मैन" के नाम से जाना जाता है। वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में एक प्रमुख व्यक्ति थे और 1892 से 1895 तक यूनाइटेड किंगडम में संसद सदस्य (एमपी) के रूप में कार्य किया, वह उस पद को धारण करने वाले पहले भारतीय थे।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा:

- उनका जन्म गुजरात के नवसारी में एक गुजराती भाषी पारसी परिवार में हुआ था। एल्फिन्स्टन इंस्टिट्यूट स्कूल से शिक्षा प्राप्त की।
- 1874 में बड़ौदा के महाराजा के दीवान (मंत्री) बने।
- दादाभाई नौरोजी के प्रशासन के दौरान, ब्रिटिश संसद में अपने कार्यकाल के दौरान, नौरोजी ने भारत के धन-हरण, भारतीयों को समान रोज़गार के अवसर प्रदान करने के लाभों और देश के औद्योगीकरण पर ज़ोर दिया। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय के सदस्य थे। उन्होंने व्यक्तिगत कारणों से भारतीय समाज के कल्याण के लिए भी काम किया। नौरोजी एक ऐसे अर्थशास्त्री हैं जिन्होंने विभिन्न कदमों और रणनीतियों के माध्यम से भारतीय अर्थव्यवस्था को उन्नत किया। दादाभाई नौरोजी के पास दुनिया भर में वित्तीय और शिक्षा क्षेत्रों में सुधार लाने का विज़न और मिशन था। इसलिए, उन्हें 'भारत का अनौपचारिक राजदूत' माना जाता है।
- दादाभाई गोपाल कृष्ण गोखले, बाल गंगाधर तिलक और महात्मा गांधी के गुरु थे।
- दादाभाई नौरोजी को सदैव एक बुद्धिमान भारतीय शिक्षाविद और राजनीतिज्ञ के रूप में याद किया जाएगा, जिन्होंने ब्रिटेन और अन्य देशों में भारत की प्रेरणा में योगदान दिया और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सह-स्थापना करने वाले तिकड़ी में से एक थे। 1917 में 91 वर्ष की आयु में बंबई में उनका निधन हो गया।

1. प्रार्थना

प्रार्थना

हे प्रभु आनंददाता, ज्ञान हमको दीजिए।
शीघ्र सारे दुर्गुणों को, दूर हमसे कीजिए।

लीजिए हमको शरण में, हम सदाचारी बने।
ब्रह्मचारी धर्मरक्षक वीरव्रतधारी बने॥

हे प्रभु आनंददाता, ज्ञान हमको दीजिए।
शीघ्र सारे दुर्गुणों को, दूर हमसे कीजिए।

हिंद में पैदा हुए हैं, हिंद की संतान है।
हिंद की खातिर मरे हम, ज्ञान ऐसा दीजिए।

हे प्रभु आनंददाता, ज्ञान हमको दीजिए।
शीघ्र सारे दुर्गुणों को, दूर हमसे कीजिए।

प्रेम से हम गुरूजनों की, नित्य ही सेवा करे।
दिव्य जीवन हो हमारा, यश तेरा गाया करे॥

हे प्रभु आनंददाता, ज्ञान हमको दीजिए।
शीघ्र सारे दुर्गुणों को, दूर हमसे कीजिए।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार
तुझको शत – शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करुणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत – शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार

संविधान की प्रस्तावना

"हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय; विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता; प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए, दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत दो हजार छह विक्रमी) को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।"

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब-सिन्धु-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तब शुभ नामे जागे, तब शुभ आशिष मांगे
गाहे तब जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे भारत भाग्य विधाता
जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे॥

2. आज का सुविचार

"हार तो वो सबक है, जो आपको बेहतर होने का मौका देगी"

– अज्ञात

3. रोचक तथ्य

मनुष्यों का 98% डीएनए चिम्पांजी से मिलता है।

4. दिवस विशेष

राष्ट्रीय देवदूत दिवस

22 अगस्त को प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला " देवदूत बनो दिवस" दूसरों के प्रति दया और करुणा के कार्यों को प्रोत्साहित करने के लिए स्थापित किया गया था। इसकी शुरुआत 1993 में जेन हॉवर्ड फेल्डमैन ने लोगों को देवदूतों के मददगार और देखभाल करने वाले स्वभाव का अनुकरण करने के लिए प्रेरित करने के लिए की थी।

5. आज का इतिहास

1320 - नसीरूद्दीन खुसरू को गाजी मलिक ने हराया
1639 - ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई (तत्कालीन मद्रास) की स्थापना की।
1848 - अमेरिका ने न्यू मैक्सिको पर क़ब्ज़ा किया।
1849 - इतिहास का पहला हवाई हमला- ऑस्ट्रिया ने इटली के शहर वेनिस में चालक रहित गुब्बारों से हमला किया।
1910 - जापान ने पांच साल तक कोरिया का संरक्षण करने के बाद उस पर क़ब्ज़ा किया।
1921- राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने विदेशी वस्त्रों की होली जलाई
1955 - चिरंजीवी, प्रसिद्ध फ़िल्म अभिनेता और राजनीतिज्ञ
1979 - राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी ने लोकसभा भंग की
2002- काठमांडू में सार्क विदेश मंत्रियों का सम्मेलन सम्पन्न, नेपाल में हवाई दुर्घटना में 16 व्यक्ति मारे गये।
2012 - केन्या में दो जनजातीय समूह के बीच युद्ध में 48 लोग मारे गए।

6. सामान्य ज्ञान

प्रोटीन का पाचन किस एंजाइम के द्वारा होता है? उत्तर:- पेप्सिन ट्रिप्सिन
मनुष्य में कितने गुणसूत्र पाए जाते हैं ? उत्तर:- 46
खट्टे दूध में कौन सा अम्ल पाया जाता है? उत्तर:- लैक्टिक एसिड
पौधों द्वारा नाइट्रोजन किस रूप में प्रयोग किया जाता है ? उत्तर:- नाइट्रेट के रूप मे
प्रकाश संश्लेषण होता है ? उत्तर:- केबल दिन में

7. शब्द ज्ञान

पर्यायवाची शब्द

गर्मी - ग्रीष्म, ताप, निदाघ, ऊष्मा।
गृह- घर, निकेतन, भवन, आलय।
गंगा- सुरसरि, त्रिपथगा, देवनदी, जाह्नवी, भागीरथी।
चंद्र- चाँद, चंद्रमा, विधु, शशि, राकेश।
जल- वारि, पानी, नीर, सलिल, तोय।

8. तर्क ज्ञान

रेखा कॉलेज से चलकर 3 किमी पूर्व की ओर जाती है, फिर दाएं मुड़कर 2 किमी चलती है, फिर से दाएं मुड़कर चलती है , अब उसका मुख किस दिशा में होगा ?

पश्चिम

9. कंप्यूटर ज्ञान

नियंत्रण कुंजियाँ (Control keys): जैसे कि Ctrl, Alt, Shift.
नेविगेशन कुंजियाँ (Navigation keys): जैसे कि Arrow keys, Page Up, Page Down.

10. प्रेरक प्रसंग

एक बार एक आदमी ने एक बच्चे से पूछा, “क्या तुम जानते हो कि शिकारी बंदरों को कैसे फँसाते थे?”
"उन्हें पेड़ पर खदेड़ने या उन पर तीर चलाने के बजाय, वे एक भारी कांच का जार, जिसकी गर्दन संकरी होती थी, जमीन पर रख देते थे, जिसमें बंदरों का पसंदीदा भोजन होता था।
फिर वे थोड़ी दूरी पर छिप जाते और अनजान बंदर के पास आने का इंतजार करते।
जब ऐसा होता, तो बंदर अंदर हाथ डालकर नाश्ता हथियाने की कोशिश करता। लेकिन जार का पतला गला बंदर को अपना हाथ बाहर निकालने से रोकता!
वह खींचता रहा, खींचता रहा, पर फँस गया! खाना छोड़े बिना उसका हाथ जार से बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं था।
लेकिन बंदर छोड़ने के बजाय लगातार कोशिश करता रहा और अपना खाना गिराने से इंकार करता रहा।
यही वह क्षण था जब शिकारी बंदर को पकड़ने के लिए उसके पास आते थे।”
"उस बंदर की तरह मत बनो," आदमी ने बच्चे को चेतावनी दी। "ज़िंदगी में, एक और दिन लड़ते रहने और आगे बढ़ने के लिए, तुम्हें पता होना चाहिए कि कब हार माननी है, कब आगे बढ़ना है, और कब जो भी तुम्हें रोक रहा है उसे छोड़ देना है।"

नैतिक:

कभी-कभी भविष्य में कुछ बेहतर पाने के लिए आपको अपनी मौजूदा चीज़ों को छोड़ना और त्यागना पड़ता है। ज़िद को अपनी सफलता की राह में बाधा न बनने दें।

11. बूझो तो जानें

मैं न इंसान हूँ, न जानवर, लेकिन फिर भी लोग मुझे पकड़ कर रखते हैं। मेरे पास बहुत सी बातें होती हैं, मगर मैं बोल नहीं सकती।

(जवाब: डायरी)

एक आदमी बिना टोपी और छतरी के बारिश में भीग रहा है, लेकिन उसके बाल बिल्कुल नहीं भीगे। कैसे?

(जवाब: क्योंकि वो गंजा था!)

विभागीय सूचनाएं

- सभी मध्य विद्यालय के विज्ञान /गणित पढ़ाने वाले/नामित शिक्षक अगस्त माह का प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग अंतर्गत MIP **3.4** को दिनांक 24.08.2025 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे।

- सभी मध्य विद्यालय और उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक इंस्पायर अवार्ड से संबंधित 05 बच्चों के प्रोजेक्ट को इंस्पायर अवार्ड के वेबसाइट पर नॉमिनेशन करते हुए पंजीकरण अनिवार्य रूप से दिनांक 31.08.2025 तक पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे।

- सभी प्राथमिक /मध्य विद्यालय और उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक E-shikshakosh पर नामांकित सभी बच्चों के 01 अप्रैल से 31 जुलाई 2025 तक के 75% उपस्थिति वाले छात्रों की मार्किंग दिनांक 24.08.2025 तक पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे।

- सभी प्राथमिक /मध्य विद्यालय और उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक U-Dise Plus पर नामांकित सभी छात्रों की इंट्री कराने के साथ-साथ उनके प्रोफाइल अपडेट के दौरान AP,EP,GP का कार्य दिनांक 25.08.2025 तक पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे।

- सभी प्राथमिक/मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक अवगत होंगे कि सितम्बर 2025 में दिनांक 10.09.2025 से अर्द्ध वार्षिक परीक्षाएं संचालित होंगी। अतएव सभी विषयों का सिलेबस पूर्ण करा लें और इसकी सूचना छात्रों और अभिभावकों को दे देंगे।

"हर सुबह एक नया सत्र, हर दिन एक नई प्रेरणा"

कैमूर चेतना - सत्र टीम

संपर्क सूत्र : 8271039022